कोविड - 19

दूसरी लहर बड़ा ख़तरा

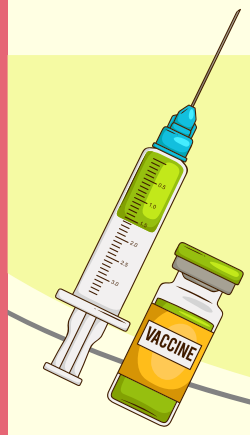

ज़िन्दगी का टीकाकरण

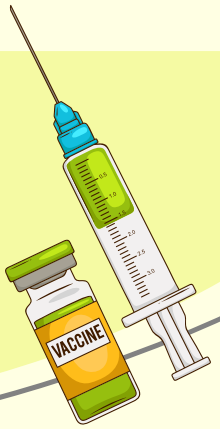

कोविड 19 से ख़ुद को, परिवार को, देश को बचाने का एक ही तरीका है, टीकाकरण। जिन देशों में बहुत तेजी से टीकाकरण हुआ है, वह अब इस वायरस से बहुत हद तक कम प्रभावित हो रहे हैं। वैज्ञानिकों ने दिन-रात एक करके बहुत ही कम समय में हमारे सामने टीका लाकर रख दिया है। अब हमें यह टीका लगवाना है। इस टीके को लेकर बहुत सारी भ्रांतियां भी समाज में फैल रही हैं, लेकिन याद रखिए, यह टीके वैज्ञानिक अनुसंधान और एक प्रक्रिया के बाद स्वीकृत किए गए हैं, हां टीका लगवाने से पहले कुछ बातों का हमें ध्यान रखना है बस।

वैक्सीन या टीका क्या है?

वैक्सीन आपके शरीर को किसी संक्रमण से बचाती है। वायरस, गंभीर बीमारी या पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही बीमारी से लड़ने में आपकी सहायता करती है। इसे लगाने से आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है। इससे आप बीमारी से लड़ने में कामयाब होते हैं।

वैक्सीन लगाने से प्रतिरोधक तंत्र संक्रमण को पहचानने के लिए मदद करता है... उसके खिलाफ शरीर में एंटीबॉडी बनते हैं जो बाहरी बीमारी से लड़ने में हमारे शरीर की मदद करते हैं और हम बीमारी की चपेट में आने से बच जाते हैं।

अमेरिका के सेंटर ऑफ़ डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार वैक्सीन बहुत प्रभावशाली होती है। हालांकि यह किसी बीमारी का इलाज नहीं करती है, बल्कि बीमारी होने की संभावना को कम से कम करती है। वैक्सीन किसी भी बीमारी से लड़ने के लिए आपके शरीर के प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है।

कैसे बनती है वैक्सीन?

वैक्सीन में मृत/निष्क्रिय हुए बैक्टीरिया और कुछ वायरस होते हैं जिन्हें मानव शरीर में डाला जाता है। जब ये मृत या निष्क्रिय वायरस शरीर में जाते हैं, तो शरीर के प्रतिरोधक तंत्र को लगता है कि शरीर पर किसी बीमारी या वायरस का आक्रमण हुआ है। तब वह उस तत्व से लड़ने के लिए एंटीबॉडी (यानी शरीर को सुरक्षित रखने वाली सेना) तैयार कर लेता है। जब एक बार शरीर में एंटीबॉडी बन जाती है, तो शरीर उस सक्रिय वायरस से लड़ने के लिए तैयार हो जाता है। यही बात कोविड-19 के टीके पर भी लागू होती है। कोविड-19 के टीके लगने से हमारा शरीर कोरोना वायरस से लड़ने के लिए तैयार हो जाता है। अध्ययन बता रहे हैं कि कोविड-19 का टीका लगने के बाद व्यक्ति गंभीर रूप से संक्रमित नहीं होता है और उसकी मृत्यु की आशंका कम हो जाती है।

क्या कोविड-19 टीके से संक्रमण हो सकता है?

नहीं, यह असंभव है क्योंकि टीके में जो वायरस या बैक्टीरिया डाले जाते हैं, वे मृत/निष्क्रिय होते हैं इसलिए टीके से कोविड-19 या कोरोना संक्रमण नहीं हो सकता है।

कोविड-19 की वैक्सीन शरीर में कैसे काम करती है?

जब टीके के तत्व शरीर में जाते हैं। तब शरीर का प्रतिरोधक तंत्र उससे लड़ता है, जब हमारे शरीर का प्रतिरोधक तंत्र एंटीबॉडी बनाता है, तब इस प्रकिया के कारण शरीर का तापमान बढ़ता है यानी बुखार आता है। बुखार आने का मतलब ही यह है कि टीके ने अपना काम शुरु कर दिया है।

हमारे देश में लगने वाली वैक्सीन कौन सी हैं?

भारत में दो तरह की वैक्सीन लगाई जा रही हैं। पुणे के सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया में बनी **कोवीशील्ड** और हैदराबाद के भारत बायोटेक में बन रही **कोवैक्सिन** को सरकार ने मान्यता दी है। कोवीशील्ड को ब्रिटिश दवा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के साथ मिलकर बनाया है। वहीं, कोवैक्सिन को इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (ICMR) के साथ मिलकर भारत बायोटेक ने बनाया है, अभी और अनुसंधान चल रहे हैं। विदेश के कई अन्य वैक्सीन निर्माता भी भारत में अपनी वैक्सीन दे सकते हैं, इस पर बातचीत चल रही है। रूसी वैक्सीन स्पूतनिक वी को भारत सरकार ने मंजूरी दे दी है। भारत सरकार ने हाल ही में अमेरिका, जापान, इंग्लैंड, यूरोपीय संघ और विश्व स्वास्थ्य संगठन से मंजूर वैक्सीन को भी कुछ शर्तों के साथ इमरजेंसी अप्रूवल देने का फैसला किया है। इसके साथ ही सरकार ने फाइज़र, मॉडर्ना, जॉनसन एंड जॉनसन जैसी कंपनियों से भी भारत में वैक्सीन उपलब्ध कराने की अपील की है। ये वैक्सीन भी अगले कुछ महीनों में भारत में उपलब्ध हो सकती हैं।

क्या सभी वैक्सीन का असर एक जैसा है?

सभी वैक्सीन की कोरोना से बचाने की प्रभावशीलता अलग-अलग है, 66% से लेकर 95% तक। पर राहत की बात यह है कि टीकाकरण के बाद अगर किसी व्यक्ति को संक्रमण होता है तो वह गंभीर स्थिति तक नहीं पहुंचता। भारत में दोनों ही वैक्सीन गंभीर लक्षणों से बचाने में 100% प्रभावी हैं। इस वजह से विशेषज्ञों का कहना है कि सभी लोगों को वैक्सीन जरूर लगवानी चाहिए।

क्या तनाव की वजह से टीके का असर कम होता है?

कोविड संकट के इस दौर में दुनिया के ज्यादातर लोग मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी दिक्कतों और तनाव से पहले ही जूझ रहे हैं। घरों में अकेला रहने, बाहरी दुनिया से कम संपर्क, आर्थिक दिक्कतों के कारण तनाव होता है। तनाव के कारण इंसान का प्रतिरक्षा तंत्र वैसे ही कमजोर हो जाता है। इससे टीकाकरण का असर भी कम होता है, इस तरह की रिपोर्ट सामने आई हैं। ऐसी समस्याएं खासकर ज्यादा उम्र वाले लोगों में दिखाई देती हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि शारीरिक बदलाव और मानसिक तनाव वैक्सीन की प्रभाव क्षमता को कम कर सकता है। साथ ही ये शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर भी असर डाल सकता है। पहले ही कोविड संकट की वजह से ऐसे खतरे बढ़ गए हैं।

वैक्सीनेशन के दायरे में कौन आएगा

पहले यह वैक्सीन 45 वर्ष से अधिक के लोगों को ही लगाई जा रही थी। सरकार ने एक मई से यह वैक्सीन 18 साल से अधिक उम्र वाले सभी लोगों को कर दी है। देश में 18 साल और इससे ज्यादा उम्र के लोगों का टीकाकरण 1 मई से शुरु हो गया है। इसके लिए 28 अप्रैल से कोविन पोर्टल पर पंजीयन भी शुरु हो गए हैं।

इसके साथ ही आरोग्य सेतु और उमंग एप्प पर भी पंजीयन किए जा रहे हैं।

कोविन पोर्टल (https://selfregistration.cowin.gov.in/) पर पंजीयन कराना होगा।

पंजीयन के लिए किन पहचान पत्रों की जरूरत होगी?

पासपोर्ट साइज फोटो के साथ नीचे दी गई किसी भी पहचान पत्र के जरिए पंजीयन किया जा सकेगा।

- आधार कार्ड।
- ड्राइविंग लाइसेंस।
- श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड।
- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम जॉब कार्ड।
- सांसदों / विधायकों को जारी किए गए आधिकारिक पहचान पत्र।
- पैन कार्ड।
- बैंक / डाकघर द्वारा जारी पासबुक।
- पासपोर्ट।
- पेंशन डॉक्यूमेंट।
- केंद्रीय / राज्य सरकार / सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी किए गए सेवा पहचान पत्र।
- वोटर कार्ड।

पंजीयन के बाद क्या होगा?

पंजीयन के दौरान ही आपको अस्पताल, उपलब्ध तारीख और आपके जाने का समय चुनना होगा। इसके बाद आप के पास पंजीकृत मोबाइल पर एक संदेश आएगा, जिसमें आपके टीकाकरण होने की तारीख लिखी होगी। इसके बाद आप निर्धारित समय पर जाकर टीका लगवा सकते हैं। ध्यान रहे, टीका लगवाने के लिए जाते समय अपने साथ वही पहचान पत्र ले जाएं जो कि आपने पंजीयन के समय दिया है।

क्या पहले और दूसरे टीके के लिए अलग-अलग पंजीयन करना होगा?

नहीं। एक बार पंजीयन करने पर ही आपको संभावित तारीखों की सूचना दे दी जाएगी। उसकी सूचना आपको मोबाइल पर मैसेज के द्वारा ही मिलेगी। पंजीयन तो नहीं करना होगा, लेकिन तारीख, स्वास्थ्य केंद्र और समय सुनिश्चित करना होगा।

क्या अलग—अलग टीके लगवाए जा सकते हैं जैसे पहला कोवैक्सिन का तो दूसरा कोवीशील्ड का?

नहीं। यह आपके लिए सुरक्षित नहीं होगा। अगर आप पहला टीका कोवैक्सिन का लगाते हैं तो दूसरा भी उसका ही लें। इसी तरह कोवीशील्ड के पहले टीके के बाद दूसरा टीका भी कोविशील्ड का ही लगवाएं।

वैक्सीनेशन कहां हो रहा है?

टीकाकरण के लिए अलग—अलग स्थान तय हैं। फिलहाल सरकार ने तय किया है कि इसे स्कूल परिसर में आयोजित किया जाएगा ताकि अस्पतालों में ज्यादा भीड़ न हो। आपके नजदीकी वैक्सीनेशन कैम्प की सूचना बहुत सारे माध्यमों से आप तक पहुंच रही होगी। अधिक दिक्कत होने पर अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र या आंगनवाड़ी या आशा कार्यकर्ता से पूछ सकते हैं। इसके अलावा अपने व्हाट्सएप्प से 9013151515 नंबर पर नमस्ते लिखकर भेज देने से आपके नजदीकी टीकाकरण के बारे में जानकारी मिल जाएगी। यह सरकार की ओर से कोरोना हेल्प डेस्क का नंबर है।

क्या वैक्सीनेशन निःशुल्क है?

हां, फिलहाल सरकार टीकाकरण निःशुल्क कर रही है, गैर सरकारी अस्पतालों में यह सुविधा सशुल्क भी उपलब्ध है। टीकाकरण के शुल्क पर आप समाचार माध्यमों से नवीनतम सूचनाएं प्राप्त कर सकते हैं।

आप टीका लगवाने जा रहे हैं तो किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है?

- अगर आपको किसी खास दवाई या चीज से एलर्जी है तो कोरोना टीका लगवाने से पहले डॉक्टर की सलाह ले लें। कंप्लीट ब्लड काउंट, सी-रिएक्टिव प्रोटीन (CRP) या इम्यूनोग्लोब्युलिन-E लेवल की जांच करवा कर देख लें, कि सब नियंत्रण में है।
- अगर टीका लेने से पहले कोई दवाई खाने को कहा गया हो तो जरूर खाएं। टीकाकरण को लेकर किसी तरह का तनाव न पालें, बिल्कुल सहज रहें।
- डाइबिटीज या ब्लड प्रेशर के मरीज को टीका लेने से पहले शुगर और ब्लड प्रेशर लेवल को सामान्य स्तर पर लाने की जरूरत है। यदि इनका स्तर सामान्य नहीं है, तो वैक्सीन नहीं लगवाएं।
- यदि आप खाली पेट हैं या आपका स्वास्थ्य बेहतर नहीं लग रहा है, तो अच्छा है कि इंतजार कर लें। सेहत ठीक होने पर ही टीकाकरण करवाएं।
- कैंसर के मरीजों और खासकर जिनकी कीमियोथेरपी हुई है, उन्हें डॉक्टर की सलाह लेने के बाद ही निर्णय लेना चाहिए।

- कोविड होने के चार से आठ सप्ताह बाद तक वैक्सीन नहीं लगवाएं।
- कोविड के इलाज के दौरान जिन्हें ब्लड प्लाज्मा या मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज चढ़ाया गया हो या फिर जो पिछले डेढ़ महीनों में कोरोना से संक्रमित हुए हों, उन्हें अभी वैक्सीन नहीं लेना चाहिए।
- टीका लगवाने के बाद वैक्सीन सेंटर में तब तक जरूर रुके रहें जब तक कि आपको जाने की अनुमति नहीं दी जाए। सेंटर पर आपको इसलिए रुकने को कहा जाता है ताकि परखा जा सके कि टीका लगने से आपमें कोई साइड इफेक्ट तो नहीं हो रहा है।
- जहां सुई चुभोई गई है, वहां थोड़ी सी सूजन या हल्का दर्द एवं हल्का बुखार आना सामान्य लक्षण हैं। आमतौर पर 3 से 5 दिन में सूजन और दर्द अपने आप दूर हो जाते हैं। संभवत:, थोड़ी थकान और ठंड भी महसूस हो सकती है। घबरायें नहीं।
- वैक्सीन हमारे प्रतिरक्षा तंत्र को बाहरी खतरों से लड़ना सिखाता है। कोविड-19 की वैक्सीन भी शरीर में कोरोना वायरस के संक्रमण के खिलाफ लड़ने की ताकत पैदा करती है, लेकिन इसमें कुछ सप्ताह लग जाते हैं। ये मत समझें कि वैक्सीन लगा लिया तो अगले ही पल आप कोरोना वायरस से सुरक्षित हो गए।
- ऐसे में टीका लगवाने के बाद भी कोरोना संक्रमण से बचने के लिए तय निर्देशों का पालन करते रहें। इनमें मास्क लगाना, सुरक्षित दूरी बनाए रखना, खांसने-छींकने के दौरान एहतियात बरतना जैसे निर्देश शामिल हैं।

क्या टीका लगने के बाद तबीयत बिगड़ सकती है?

टीकों का यह सामान्य व्यवहार है। कोविड से पहले जब हम बच्चों का टीकाकरण करवाते थे तो उनको भी एक दो दिन हल्का बुखार आ जाता था। कोविड वैक्सीनेशन के बाद भी आपका शरीर प्रतिक्रिया करता है, जिससे आपको एक-दो दिन तक बुखार आ सकता है। यदि आपको भय है तो टीकाकरण करवाते समय भी आप पूछताछ कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में आप पैरासिटामोल टेबलेट अपने साथ रख सकते हैं और बुखार आने पर ले सकते हैं। कई बार जहां वैक्सीन लगती है वहां पर थोड़ी सूजन भी हो सकती है। कोविड वैक्सीन लगवाने से पहले नियमित रूप से खूब पानी पीएं, तरबूज, खीरा, ककड़ी जैसे पानी से भरपूर फलों के सेवन से साइड इफेक्ट्स की आशंका को कम किया जा सके। वैक्सीन लगवाने के बाद भी आप पोषण युक्त भोजन करें। खूब पानी पीएं।

क्या टीकाकरण के बाद शराब पीना उचित है?

वैक्सीन लगने के बाद शराब का सेवन बिल्कुल न करें, क्योंकि इसकी वजह से डिहाइड्रेशन यानी शरीर में पानी की कमी की समस्या हो सकती है जिसकी वजह से वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स बढ़ सकते हैं। अल्कोहल रिसर्च नाम के जर्नल में प्रकाशित एक शोध की मानें तो टीका लगवाने के बाद शराब पीने से आपकी प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर हो जाती है।

कौन सी चीजें नहीं खानी चाहिए?

ब्रिटिश जर्नल ऑफ न्यूट्रीशन में प्रकाशित एक शोध की मानें तो कोविड वैक्सीन लगवाने के बाद आपको सैचुरेटेट फैट और कैलोरीज से भरपूर प्रोसेस्ड फूड से बिल्कुल दूर रहना चाहिए। जर्नल ऑफ क्लिनीकल स्लीप मेडिसिन की एक शोध को मानें तो कोरोना का टीका लगवाने के बाद बहुत ज्यादा मीठी और चीनी वाली चीजों से भी दूर ही रहें। नहीं तो तनाव और थकान हो सकती है साथ ही नींद में भी दिक्कत आ सकती है।

बच्चों को भी कोरोना हो रहा है, तो क्या उन्हें टीका लगेगा?

नहीं। फिलहाल बच्चों पर वैक्सीन के ट्रायल्स नहीं हुए हैं। इस वजह से बच्चों को देना मान्य नहीं है।

टीके के बिना भी बच्चों को भी कर सकते हैं सुरक्षित, कैसे?

इसका सबसे बेहतरीन तरीका है कि परिवार के सभी लोग वैक्सीन लगवाएं। भारत में फिलहाल 18 साल तक की उम्र से अधिक वाले सभी लोगों का टीकाकरण हो गया है, हमारी जिम्मेदारी है कि परिवार के सभी लोग टीकाकरण करवा लें। ऐसा करके हम बहुत हद तक परिवार के बच्चों को संक्रमण से दूर रख सकते हैं। दूसरे स्तर पर हम बच्चों को कोविड प्रोटोकाल का ईमानदारी से पालन करने की सीख दें। जब तक बच्चों के लिए वैक्सीन नहीं आ जाती तब तक हमें इन्हीं दो कारगर तरीकों से बच्चों को सुरक्षित रखना है।

क्या महिलाएं माहवारी के दौरान वैक्सीन लगवा सकती हैं?

हां। महिलाओं के माहवारी के दौरान भी टीकाकरण करवाया जा सकता है।

किन्हें वैक्सीन नहीं लगवानी चाहिए?

● कोरोना की पहले डोज़ से आपको गंभीर एलर्जी हुई हो। ● आप गर्भवती हों या आप स्तनपान करा रही हों। ● आपको कोरोना के लक्षण हों। ● आप अन्य किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं तो डॉक्टर की सलाह लें।

मैं अपने मूल शहर से दूर हूं। क्या किसी और राज्य में वैक्सीन का डोज़ ले सकूंगा?

यदि आप 45 साल से ज्यादा के हैं तो केंद्र सरकार की व्यवस्था के मुताबिक आपको देश के किसी भी वैक्सीन सेंटर पर टीका लग जाएगा। पर 18-44 वर्ष के आयु समूह के लिए अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। इस आयु समूह के टीकाकरण की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है। इस वजह से अलग-अलग राज्य में अलग-अलग इंतजाम हो सकते हैं।

क्या वैक्सीन सुरक्षित है?

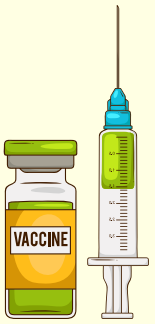

वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है। इसको एक प्रक्रिया के तहत जांचा—परखा गया है, लेकिन यह समझ लेना जरूरी है कि हर मनुष्य का शरीर अलग प्रवृत्ति का होता है। वह अलग—अलग प्रक्रियाओं पर अलग—अलग प्रतिक्रिया देता है, इसलिए जरूरी है कि टीकाकरण से पहले आप सभी उपायों को अपना लें। यदि आपके शरीर में पहले से कोई गड़बड़ी या असामान्य चीजें हो रही हैं तो उन्हें पहले ठीक कर लें या अपने चिकित्सक से परामर्श ले लें।

कोरोना से संक्रमित व्यक्ति का कब टीकाकरण होगा?

कोरोना की जंग जीतने वालों को रिकवर होने के 4 से 8 सप्ताह बाद ही वैक्सीन लगाई जा सकती है। इसी तरह यदि कोई संदिग्ध मरीज है तो उसे भी फिलहाल वैक्सीन नहीं लगाई जाए।

क्या सीधे अस्पताल पहुंचकर वैक्सीन लगवा सकते हैं?

नहीं। केंद्र सरकार ने इसके लिए पंजीयन अनिवार्य किया है। 18 से 44 वर्ष आयु समूह के लोगों को वैक्सीन लगवाना राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है। साथ ही कुछ निजी अस्पताल भी वैक्सीन लगा सकते हैं। पर सिर्फ उन लोगों को जिन्होंने आरोग्य सेतु एप्प पर या कोविन पोर्टल (https://selfregistration.cowin.gov.in/) पर रजिस्ट्रेशन कराया होगा।

क्या कोविड वैक्सीन लगवाने के बाद रक्तदान कर सकते हैं?

नहीं, कोविड वैक्सीन लगवाने के कुछ दिन तक आप रक्तदान नहीं कर सकते हैं। यह अवधि दूसरे डोज लेने से 28 दिन तक होती है। इसलिए रक्तदाताओं और शारीरिक रूप से स्वस्थ व्यक्तियों से यह अपील की जा रही है कि वह वैक्सीन लगवाने से पहले अपना रक्तदान अवश्य करें।

क्या टीकाकरण के साइड इफ़ेक्ट होने पर कोई हेल्प लाइन नंबर है?

जी हाँ, इन नंबरों पर बात की जा सकती है –

a. **Helpline Number : +91-11-23978046 (Toll Free- 1075)**

b. **Technical Helpline Number : 0120-4473222**

c. **Helpline Email Id : nvoc2019@gov.in**

कोरोना महामारी को लेकर समाज में चल रही अफवाहें

वैक्सीन लगवाने को लेकर समाज में तमाम तरह के भ्रम भी सामने आ रहे हैं। खासकर ग्रामीण इलाकों में इन्हें लेकर बहुत सारी बातें चल रही हैं। जमीनी साथियों की मदद से हमने कुछ बातों का पता किया है –

अफवाह	सच
वैक्सीन लगवाने से मृत्यु हो जाती है।	इस बात का कोई आधार नहीं है, देश में करोड़ों लोगों को वैक्सीन लग चुकी है।
वैक्सीन लगवाने से बुखार चढ़ जाता है, और कोरोना हो जाता है।	वैक्सीन लगने से बुखार आ सकता है. लेकिन कोरोना होने का आधार नहीं है. बल्कि यह गंभीर खतरों से बचाता है।
हमें कुत्तों वाले इंजेक्शन लगा देते हैं और हमारी किडनी निकाल लेते हैं।	इस बात का कोई आधार नहीं है।
डायबिटीज होने पर वैक्सीन नहीं लगवाएं, वरना यह बुरा प्रभाव डालेगी।	वैक्सिनेशन से पहले शुगर केवल सामान्य करने की सलाह दी जाती है, पर शुगर के मरीज टीका लगवा सकते हैं।
वैक्सीन लगवाने से मानसिक रोगियों की संख्या बढ़ सकती है।	इस बात का कोई आधार नहीं है।
अविवाहित लोगों को वैक्सीन नहीं लगवाना है, इससे बांझ हो जाते हैं। यह जनसंख्या कम करने का एक तरीका है।	इस बात का कोई आधार नहीं है, या असत्य है।
किसान आंदोलन ने साबित किया है कि कोरोना महामारी नहीं है, बल्कि यह वैक्सीन से जनसंख्या नियंत्रित करने का एक षडयंत्र है।	यह असत्य है।
शराब, सिगरेट के शौकीन लोगों को वैक्सीन लगवाने पर कैंसर होने का खतरा बढ़ जाएगा।	शराब और सिगरेट पीना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, टीका नहीं।
कोविड वैक्सीन का पूरी तरह से ट्रायल नहीं किया गया है।	टीके को पूरी तरह से ट्रायल करने के बाद ही तय मापदंडों के अनुसार अनुमति दी गई है।
वैक्सीन में चिप लगा हुआ है जिससे आपके दिमाग को नियंत्रित किया जाएगा।	माइक्रोचिप किसी भी वैक्सीन का हिस्सा नहीं है।

अफवाह	सच
जिन्हें कभी श्वसन तंत्र से संबंधित बीमारी जैसे निमोनिया, दमा आदि है उनकी वैक्सीन लगवाने से मौत हो जाएगी।	नहीं, स्थिति नियंत्रित रहने पर ऐसा कोई खतरा नहीं होता, वैक्सीनेशन से पहले आपका स्वस्थ होना जरूरी है। बुखार होने पर टीका नहीं लगवाना चाहिए।
कोविड हो जाने के बाद टीके की जरुरत नहीं होती।	ऐसा नहीं है, कोविड हो जाने के चार से आठ सप्ताह के बाद टीका लगवाने की अनुशंसा की गई है।
वैक्सीन नहीं लेना चाहिए, उसमें सुअर का मांस मिलाया गया है।	नहीं, ऐसा बिलकुल नहीं हैं, भारत में अनुमति प्राप्त दोनों ही वैक्सीन में सुअर का मांस नहीं मिलाया गया है।
कोरोना की वैक्सीन मुसलमानों की जनसंख्या बढ़ने से रोकने की साजिश है।	यह वैक्सीन सभी वर्ग के लोगों को समान तरीके से लगाई जा रही है। इसमें कोई षडयंत्र नहीं है।
कोरोना वैक्सीन नहीं लगवाई तो सरकार हमारी पेंशन बंद कर देगी।	यह असत्य बात है। इसका पेंशन से कोई संबंध नहीं है।
कोरोना वैक्सीन नहीं लगवाई तो हमारा सरकारी राशन बंद हो जाएगा।	यह असत्य है।
वैक्सीन से खून के थक्के जम सकते हैं।	अब तक करोड़ों लोगों का वैक्सीनेशन हो चुका है, इस तरह के मामले नहीं आ रहे हैं।
महिलाओं को माहवारी के समय टीका नहीं लगवाना चाहिए।	इस तरह की कोई अनुशंसा नहीं की गई है। माहवारी से टीके का संबंध नहीं है।

इस पर्चे को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाकर इस मुहिम के भागीदार बनें

(विकास संवाद द्वारा कोविड जागरुकता के लिए प्रकाशित)

विकास संवाद

ई-7/226, प्रथम तल, धन्वन्तरी कॉम्पलेक्स के सामने, अरेरा कॉलोनी, शाहपुरा, भोपाल, मध्य प्रदेश

फोन : 0755-4252789, E-mail - vikassamvad@gmail.com

Amit Prakashan • April 2021